'राष्ट्रीय एकता एवं लोकतन्त्र' B.Ed प्रथम सेमेस्टर 2022

NATIONAL INTEGRATION AND DEMOCRACY

मनुष्य एक भावना प्रधान प्राणी है। वह केवल अपनी भौतिक एवं भावनात्मक संतुष्टि के लिए एक दूसरे पर आश्रित रहते हैं।
है। व्यक्तियों में जाति, धर्म, भाषा, रंग वेशभूषा या आयु इत्यादि अनेक प्रकार की विभिन्नताओं होने के बावजुद केवल मनुष्य मात्र होने की भावना उन्हें एक दूसरे से जोड़ कर रखती है।
अर्थात मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है तथा वह एक दूसरे पर भावना मात्र के कारण जुड़ा रहता है।

पं जवाहर लाल नेहरू के अनुसार :- "भावात्मक एकता से मेरा तात्पर्य है' हमारे विचारों और भावनाओं की एकता तथा पृथकता की भावनाओं का दमन।

'राष्ट्रीय एकता का अर्थ एवं परिभाषा'

'Meaning and Definition of National Intergration'

राष्ट्रीय एकता का तात्पर्य राष्ट्र के सम्पूर्ण निवासियों और भावनाओं की एकता से है जब कोई राष्ट्र धर्म, राजनीति, जाति भाषा या संस्कृति से ऊपर उठकर बात करता है। तथा व्यक्ति भावनात्मक रूप से अपने देश से जुड़ा होता है तो उसे 'राष्ट्रीयता' कहते हैं।

राष्ट्र के लिए व्यक्ति तथा व्यक्ति के लिए राष्ट्र अधिक महत्वपूर्ण होता है। प्रत्येक नागरिक का यह कर्तव्य है कि वह राष्ट्र की सम्प्रभुता एवं एकता को बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है।

प्रबन्धक
मीरा मेमोरियल महाविद्यालय
शिक्षण एवं प्रशिक्षण संस्थान
पाण्डेयपुर, ताखा, बलिया

डॉ॰ सम्पूर्णानन्द के अनुसार "स्वतन्त्रता के बाद के वर्षों में भारत ने अनेक क्षेत्रों में प्रगति की है, किन्तु इन वर्षों में राष्ट्रीय जीवन में पृथकता की प्रवृत्तियों में उत्तरोत्तर वृद्धि भी अवलोकित हुई है"।

थॉमस के अनुसार :- "राष्ट्रीय एकीकरण एक भावना है जो देश के नागरिकों को बाँधती है।"

राष्ट्रीय एकता सम्मेलन के अनुसार :- "राष्ट्रीय एकता एक मनोवैज्ञानिक एवं शैक्षिक प्रक्रिया है जिसके द्वारा लोगों के हृदय में एकता, संगठन एवं सन्निकटता की भावना, सामान्य, सामान्य नागरिकता की भावना और राष्ट्र के प्रति भक्ति की भावना का विकास किया जाता है"

राष्ट्रीय एकता हेतु शिक्षा के उद्देश्य

"Objectives of Education for National Intergration"

राष्ट्रीय एकता की शिक्षा का मूल उद्देश्य देश के सभी वर्गों को क्षेत्र जाति, धर्म, भाषा एवं संस्कृति आदि की भिन्नता होते हुए भी उन्हें राष्ट्र के नाम पर 'हम' की भावना से जोड़ना है।

1- राष्ट्रीय एकता के मार्ग में आने वाले बाधक तत्वों को दूर कर सभी व्यक्तियों में राष्ट्रीय एकता की भावना का विकास करना।

2-

मीरा मेमोरियल महाविद्यालय
शिक्षण एवं प्रशिक्षण संस्थान
पाण्डेयपुर, ताखा, बलिया

2- सभी नागरिकों में लोकतन्त्रात्मक भावना का विकास करना।

3- सभी धर्मों एवं संस्कृतियों के प्रति आदर भाव विकसित करना।

राष्ट्रीय एकता की आवश्यकता
'Need of National Integration'

आज प्रत्येक व्यक्ति ने स्वयं स्वयं के हित के आगे राष्ट्र हित को विस्मरण कर दिया है। जिससे राष्ट्रीय एकता की डोर कमजोर पड़ गई है। इसका अस्तित्व खतरे में पड़ गया है।

1- राष्ट्रीय सुरक्षा की दृष्टि से:- किसी भी देश की सुरक्षा उस देश में राष्ट्रीय एकता पर निर्भर करती है देश की रक्षा हेतु सीमा सुरक्षा बल तैयार किया जाता है।

2- हम की भावना के विकास की दृष्टि से:- प्रत्येक राष्ट्र में वर्गीय संघर्ष समाप्त करने एवं नागरिकों के मध्य 'हम' की भावना लाने के लिए राष्ट्रीय एकता की परम आवश्यकता है। नाम, धर्म, जाति भाषाएं एवं क्षेत्रों के अलग होते हुए भी वे हम की भावना के द्वारा राष्ट्र के अस्तित्व की रक्षा हेतु अपने व्यक्तिगत हितों को त्यागकर राष्ट्रहित हेतु एकता के सूत्र में बँधे रहें।

प्रवक्ता
मीरा मेमोरियल महाविद्यालय
शिक्षण एवं प्रशिक्षण संस्थान
पाण्डेयपुर, ताखा, बलिया

AKHILESH YADAV
(B.Ed M.Ed BHU)